moneybhaskar.com
फायदे की सोच

Economy Team | Nov 20, 2015, 09:37AM IST

RBI कर्मियों की हड़ताल से पेमेंट सिस्टम हुआ प्रभावित

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की यूनियनों से जुड़े करीब 18000 अधिकारियों और कर्मचारियों की गुरुवार को एक दिन की हड़ताल का आरबीआई के कामकाज पर व्यापक असर हुआ। इसके चलते बैंकों का पेमेंट सिस्टम प्रभावित हो गया।

छह साल में पहली बार आरबीआई यूनियनों की हड़ताल के चलते चेक क्लियरेंस, पेमेंट एंड सेटलमेंट तथा फोरेक्स ट्रांजेक्शन जैसी सेवाओं पर बुरा असर पड़ा। हालांकि आरबीआई आरटीजीएस सेवाओं को जारी रखने की हर संभव कोशिश कर रही है। यूनियनें आरबीआई के कई रिफॉर्म्स का विरोध कर रही हैं। साथ ही बेहतर रिटायरमेंट लाभ की भी डिमांड कर रही हैं। इसी के चलते इन यूनियनों से जुड़े संगठनों ने एक दिन की छुट्टी पर जाने का फैसला किया।

क्यों हो रही है हड़ताल

यूनाइटेड फोरम ऑफ रिजर्व बैंक ऑफिसर्स एंड एम्पलॉइज ने यह हड़ताल बुलाई है। यूनाइटेड फोरम ऑफ रिजर्व बैंक आफिसर्स के कन्वेनर श्रीकांत अरोड़ा ने बताया कि रिजर्व बैंक के अधिकारी और कर्मचारी केंद्र सरकार द्वारा रिजर्व बैंक के कार्यों एवं अधिकारों, खासकर मोनेटरी पॉलिसी को लेकर, में कटौती करने और रिटायरमेंट के बाद होने वाली पेंशन का अपडेशन मंजूर न करने के विरोध में देशभर में सामूहक अवकाश कर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि आर्थिक सुधारों के नाम पर यह निर्णय इकोनॉमी के लिए उचित नहीं है। जबकि भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी व कर्मचारी अधिक अधिकारों की मांग कर रहे हैं।

This page printed from: http://money.bhaskar.com/news/MON-UPD-rbi-strike-affects-banking-services-such-as-settlements-5172406-NOR.html?seq=1